क्लास में एक्स्ट्रा

कैथरीन

चित्र : जेन क्लार्क

क्लास में एक्स्ट्रा

कैथरीन

चित्र : जेन क्लार्क

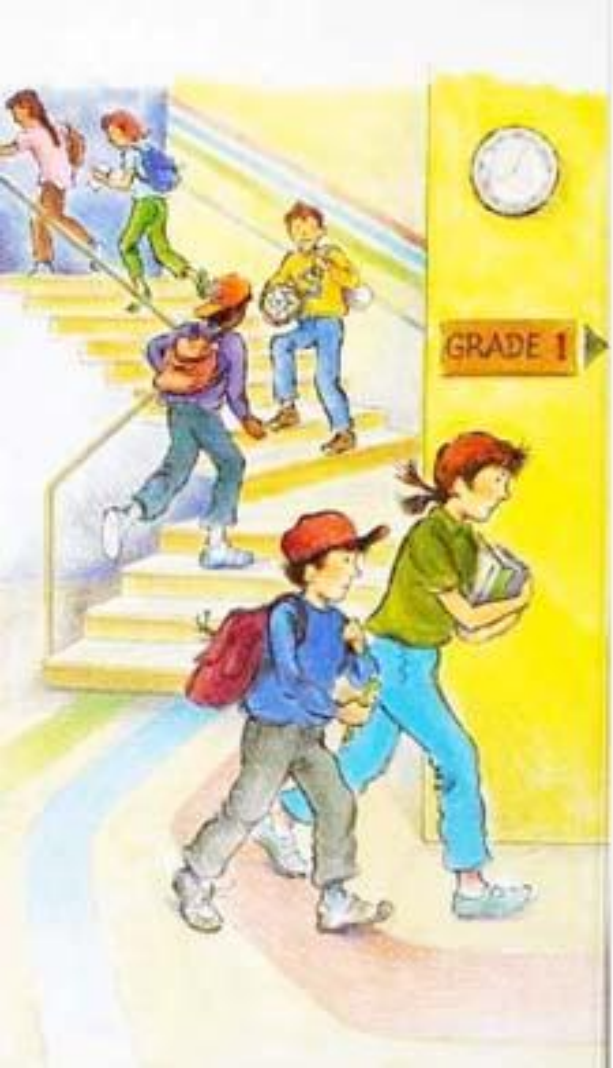

मार्विन गेट्स डर गया था.
उसका नया स्कूल बहुत बड़ा था.
उसमें वो एकदम गुम गया था.
उसकी बहन मेय को उसकी
मदद करनी पड़ी.
"तुम्हरी वजह से मुझे पहले दिन
स्कूल में देरी हुई," उसने कहा.
मार्विन को रोने का मन कर रहा था,
लेकिन वो रोया नहीं.

"यह है तुम्हारी क्लास," मेय ने कहा.
"देखो? मुझे तुम्हारी टीचर अच्छी लग रही हैं!"
फिर मार्विन ने बेहतर महसूस किया.

तब टीचर ने कहा: "अरे, एक और? अब बहुत हो गए!"
मार्विन को वो अच्छा नहीं लगा.
उसे लगा कि उसकी टीचर उसे पसंद नहीं करती थीं.

मार्विन ने हर जगह कार्ड देखे,
यहां तक कि टीचर पर भी.
"मैं मिस ब्राउन हूँ," टीचर ने कहा.
उन्होंने अपने कार्ड की ओर
इशारा किया.
"ब्राउन!"
"क्या बात है?" मार्विन ने पूछा.
"क्या आपको ठंड लग रही हैं?"
मिस ब्राउन हँसीं.
फिर मार्विन को छोड़कर
बाकी बच्चे भी हँस पड़े.
उसे लगा कि क्लास में उसे
कोई नहीं चाहता था.

"मैं भी! मैं भी!" सभी बच्चे चिल्लाए -
मार्विन को छोड़कर.
उसके नाम का कोई कार्ड नहीं था.
क्योंकि वो एक्स्ट्रा था.

मिस ब्राउन ने दूसरे कार्ड की ओर इशारा किया.
"क्या कोई इस कार्ड को पढ़ सकता है?"
"मैं पढ़ सकती हूँ" एक लड़की ने कहा.
"इसमें लिखा है 'मैरी'."
"मैरी मेरा नाम है."
"अच्छा" मिस ब्राउन ने कहा.
"मैरी अपना नाम पढ़ सकती है."

अगले दिन मिस ब्राउन ने कहा:
"सब अपना-अपना कार्ड ढूंढो और अपनी
जगह पर बैठ जाओ."
"क्या मेरे नाम का कार्ड है?" मार्विन ने पूछा.
"हाँ," मिस ब्राउन ने कहा.
"आज तुम्हारा भी कार्ड है."
मार्विन को खुशी हुई.

उन्होंने मार्विन के लिए "M" देखा.
वो दौड़ा और उस जगह पर बैठ गया.
"नहीं," एक लड़की ने कहा.
"तुम मैरी नहीं हो. मैं मैरी हूं."
फिर मार्विन को छोड़कर सभी बच्चे
हँसने लगे.

मार्विन यह बात, माँ और पिताजी को बताना चाहता था, लेकिन वो उन्हें चिंता में नहीं डालना चाहता था.

हर दिन चीजें बद-से-बदतर होती गईं.
मार्विन को छोड़कर सभी बच्चे पढ़ सकते थे.
शायद वो क्लास में एक्स्ट्रा था.

"देखो, यह नोट घर लेकर जाना,"
मिस ब्राउन ने कहा.
"अपने माता-पिता से इस नोट पर
हस्ताक्षर करवाकर लाना.
उन्हें हर दिन तुम्हारे साथ पढ़ने का
अभ्यास करना चाहिए."

माँ और पिताजी भला वो कैसे कर
सकते थे?
वे दोनों बहुत ज्यादा व्यस्त थे.

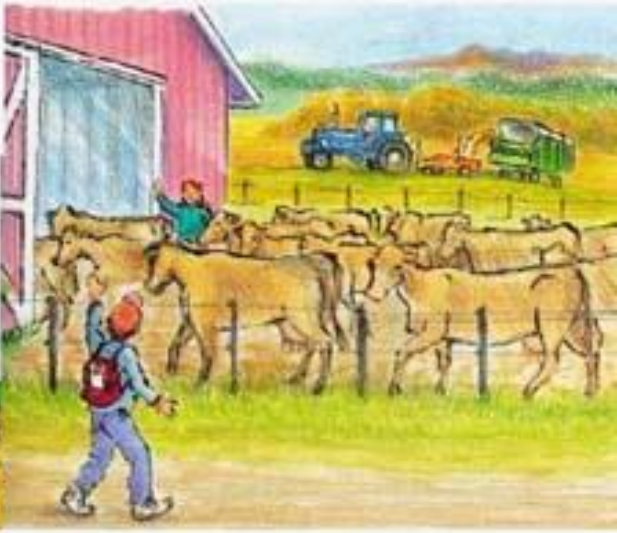

मिस ब्राउन को समझ में नहीं आया.
शायद वो डेयरी फार्म के बारे में कुछ
नहीं जानती थीं.

"क्या तुम मेरे साथ पढ़ोगी?"
मार्विन ने मेय से पूछा.
"नहीं" मेय ने कहा.
"मुझे बहुत होमवर्क करना है."

फिर मार्विन ने मिस ब्राउन के
नोट को फाड़ दिया.

दूसरे बच्चों ने मार्विन का मज़ाक उड़ाया

मार्विन को रोने का मन हुआ, लेकिन वो रोया नहीं.

उसकी बजाए उसने जोस को मुक्का मारा.

मिस ब्राउन उससे बिल्कुल खुश नहीं हुईं.

"तुम्हें पढ़ नहीं सकते," मैरी ने कहा.

"शायद मार्विन के माता-पिता भी पढ़ नहीं सकते," जोस ने कहा.

"क्योंकि तुम पढ़ नहीं सकते हो शायद
इसलिए तुम गुस्सा हो," मैरी ने कहा.
"पढ़ना फ़ालतू काम है," मार्विन ने कहा.

क्लास में जल्द ही हर कोई किताबें
पढ़ रहा था - मार्विन को छोड़कर.

"तुम भी एक किताब चुनो,"
मिस ब्राउन ने कहा.
"हमारे पास बहुत सारी अच्छी किताबें हैं."
"किताबें पढ़ना फ़ालतू का काम है,"
मार्विन ने कहा.

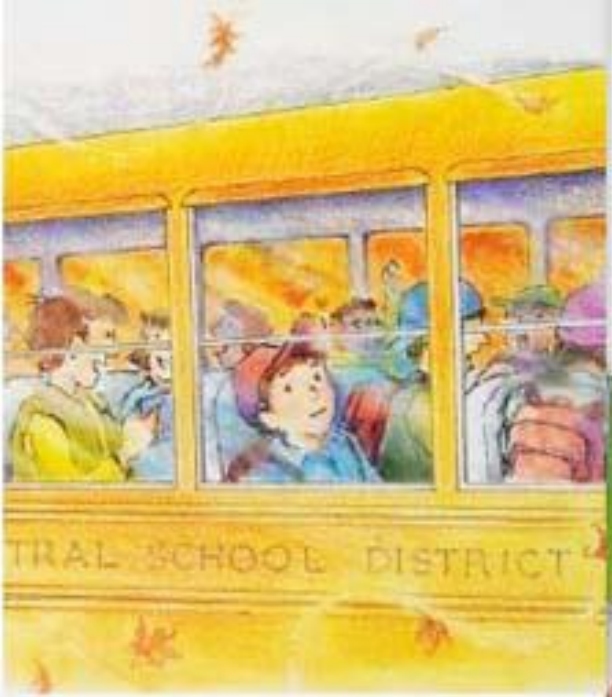

मार्विन चाहता था कि बर्फ गिरे.
वो चाहता था एक बड़ा तूफान आए.
जिससे उसे स्कूल नहीं जाना पड़े.

अंत में एक बड़ा तूफान आया.
उससे मार्विन बहुत खुश हुआ.
अब वो घर पर ही रह सकता था.
घर पर उसे सब चाहते थे.
घर पर वो एक्स्ट्रा नहीं था.

पापा तूफान से परेशान थे.
"अगर बिजली चली गई," उन्होंने कहा,
"तो हम गायों का दूध कैसे निकालेंगे?"
"अगर सड़क बहुत खराब हुई," माँ ने कहा.
"तो फिर दूध का ट्रक भी नहीं आएगा?"

"मेरी क्लास कल फील्ड ट्रिप
पर जाने वाली थी.
पर अब हम नहीं जा सकेंगे," मेय ने कहा.
मार्विन उन्हें कैसे बताता, कि वो ही तूफान
लाया था. वो उसकी ही गलती थी?
उसे रोने का मन हुआ, लेकिन वो रोया नहीं.

"ठीक है, मार्विन," मेय ने कहा.
"क्या तुम स्कूल-स्कूल खेलना चाहते हो?"
मार्विन को स्कूल से नफरत थी,
लेकिन वो चाहता था कि मेय बेहतर
महसूस करे.

"यहाँ कुछ कार्ड हैं," मेय ने कहा.
"अच्छा, इस कार्ड पर क्या लिखा है?"
"मुझें नहीं पता," मार्विन ने उदास होकर
कहा.
"मार्विन! उस पर तुम्हारी पसंदीदा चीज है!"
मेय ने कहा.

पीछे एक गाय की तस्वीर थी.

"गाय!" मेय ने कहा.

"तुम्हें बुरा तो नहीं लगा?" मार्विन ने पूछा.

"नहीं" मेय ने कहा.

"देखो! गाय."

उसने उसे एक और कार्ड दिखाया.

"अच्छा, इस कार्ड पर क्या लिखा है?"

मार्विन ने अपना सिर हिलाया.

कार्ड के पीछे एक बिल्ली थी.

"बिल्ली?" मार्विन ने पूछा.

"नहीं" मेय ने कहा. "मियांउ!

देखो गाय और बिल्ली दोनों जानवर हैं?"

लेकिन मार्विन उन्हें नहीं पढ़ पाया.

"पढ़ना फ़ालतू की बात है," मार्विन ने कहा.

माँ और पिताजी अंदर आए.
दोनों बर्फ से ढके हुए थे.
"बाहर बहुत बर्फबारी हो रही है," माँ ने कहा.
"कहीं भयानक हिमपात नहीं आ जाए."
"मेरी प्रार्थना है कि बिजली की सप्लाई
बनी रहे," पिताजी ने कहा.

तभी सारी बत्तियां बुझ गईं.
माँ और पिताजी दोनों काफी चिंतित थे.

शायद यह सब मार्विन की ही गलती थी.
मार्विन का रोने का मन हुआ और इस बार
वो रो पड़ा.

"क्या बात है?" पिताजी ने पूछा.
"यह सब मेरी ही गलती है" मार्विन ने कहा.
"मैं एक बड़ा तूफान चाहता था
जिससे मुझे स्कूल नहीं जाना पड़े!"

"मार्विन, तूफान तुम्हारी गलती से नहीं आया," पिताजी ने कहा.
"क्या स्कूल में तुम्हें कोई परेशानी है?"
"पढ़ना," मार्विन ने कहा.
"मेरे अलावा क्लास में हर कोई पढ़ सकता है."

"ठीक है," पिताजी ने कहा. "पढ़ना, वाकई बहुत कठिन काम है. क्या तुम्हें पता है कि मैं पढ़ने में अपनी क्लास में आखिरी नंबर पर था."

मार्विन को पिताजी की बात पर विश्वास नहीं हुआ.

उसके पिताजी बहुत होशियार थे. वह गायों और ट्रकों के बारे में बहुत कुछ जानता थे.

"हाँ," पिताजी ने कहा. "मैं आखिरी नंबर पर था."

"पढ़ना फ़ालतू का काम है," मार्विन ने कहा.

"नहीं," पिताजी ने कहा. "पढ़ना सीखना बहुत अच्छी बात है. हममें से कुछ लोगों को पढ़ने में कुछ अधिक समय लगता है. तुम जल्द ही पढ़ना सीख जाओगे, मुझे पता है."

मार्विन को थोड़ा बेहतर लगा.
"क्या आप मेरे साथ किताबें पढ़ेंगे?"
उसने पूछा.
"ज़रूर" पापा ने कहा.
फिर मेय को गाय के बारे में एक
मजेदार कविता मिली,
पिताजी उसे पढ़ने लगे.

पिताजी ने प्रत्येक शब्द के नीचे
अपनी उंगली रखी.
"मैंने कभी बैंगनी रंग की गाय नहीं देखी,
मैं कभी ऐसी गाय देखने की उम्मीद भी नहीं
करता हूँ.
लेकिन मैं आपको इतना बता सकता हूं,
खुद बैगनी गाय बनने के बजाए मैं उसे देखना
पसंद करूंगा."

"वाह!" मार्विन ने कहा.

"तुम्हें बुरा तो नहीं लगा?" पिताजी से पूछा.

"नहीं!" मार्विन ने कहा.

"देखो? गाय!"

"तुम पढ़ रहे हो!" पिताजी ने कहा.

"तुम 'गाय' पढ़ रहे हो!"

"मुझे गायों से प्यार है,"
मार्विन ने कहा.
''गाय" मेरा प्रिय शब्द है.
गाय "मू' की आवाज़ करती है.
और मेरा नाम भी M से शुरू होता है?"
मार्विन ने कहा.

तभी सारी लाइटें जल उठीं.
जल्द ही उन्होंने हिमपात सुना.
"वाह!" मार्विन ने कहा.
"कल मैं मिस ब्राउन को बता सकता हूँ
कि अब मैं भी पढ़ना सीख रहा हूँ."

"मेरी तरफ से मिस ब्राउन से कहना
कि हम दोनों हर रात एक-साथ
मिलकर पढ़ेंगे. जो लोग पढ़ने में थोड़ा
अधिक समय लेते हैं उन्हें एक साथ पढ़ने
की जरूरत होती है," पिताजी ने कहा.

समाप्त

तब से मर्विन ने पढ़ना शुरू कर दिया.
फिर उसका अकेलापन ख़त्म हुआ और
उसे स्कूल अच्छा लगने लगा.